सारा सच

www.
SaraSach.com

सारा सच

दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 3 ◆अंक : 51 ◆ वीरवार 15 जुलाई से 21 जुलाई, 2021 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1442 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

उत्तराखंड में केजरीवाल ने लगाई चुनावी वादों की झड़ियां

300 यूनिट फ्री बिजली, नो पावर कट

देहरादून। उत्तराखंड की राजधानी देहरादून पहली बार पहुंचे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भाजपा और कांग्रेस पर जमकर बरसे। कहा कि दोनों सरकारों ने उत्तराखंड को बर्बाद करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। केजरीवाल ने चुनावी वादों की झड़ियां लगाते हुए कहा कि अगर 'आप' की सरकार आई तो लोगों को 300 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। प्रदेशभर में किसी भी जिले में बिजली कटौती नहीं होगी। कहा कि काश्तकारों को मुफ्त में बिजली दी जाएगी और पुरानें बिलों से बकाया भी माफ कर दिया जाएगा। कहा कि विधानसभ चुनाव तक वह हर महीने उत्तराखंड आएंगे। केजरीवाल ने कहा कि प्रदेश के पर्वतीय जिलों में स्थिति बहुत ही दयनीय है। कहा कि भाजपा सरकार के पास अपना कोई नेता नहीं है।

शेष पृष्ठ चार पर

डीटीसी बस की खरीदारी मे हुए भ्रष्टाचार को लेकर सतर्कता आयोग ने दिया जांच का आश्वासन

नई दिल्ली। डीटीसी बस की खरीदारी मे हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग को लेकर आज दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी जी, दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष जेपी अग्रवाल जी, एडवोकेट सुनील कुमार जी, चेयरमैन, लीगल एंड ह्यूमन राइट्स डिपार्टमेंट, डीपीसीसी, के नेतृत्व में उपाध्यक्ष अली मेहंदी जी,पार्षद अभिषेक दत्त जी, पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज जी, , परवेज आलम जी, एडवोकेट ए वी शुक्ला जी, एडवोकेट सुशील अहलावत जी, एडवोकेट आसिफ खान जी, एडवोकेट सतीश सोलंकी जी, एडवोकेट महाबीर राठौर जी,एडवोकेट नागेश्वर कुमार जी,एडवोकेट सऊद, एडवोकेट इमरान मालिक, एडवोकेट आनंद चौधरी, एडवोकेट राहुल चौधरी, उमेश कुमार, अजय यादव, रामकुमार, विक्रमजीत सिंह, अशोक कुमार सिंह, अनुज चौधरी, व अन्य साथियों के साथ सतर्कता आयोग (सीवीसी) में लिखित शिकायत दर्ज की,आयोग ने 90 दिनों में जांच का आश्वासन दिया।

देश में आने ही वाली है कोरोना की तीसरी लहर

आठ राज्यों में ऊंची पॉजिटिविटी रेट दे रही है गवाही

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के राज्यों में जोर पकड़ता संक्रमण इस बात का संकेत दे रहा है कि देश में तीसरी लहर नजदीक है। इस वक्त आठ राज्यों में बढ़ते संक्रमण ने पूरे देश की चिंता बढ़ा दी है, इनमें से सात राज्य पूर्वोत्तर के हैं। जबकि एक अन्य राज्य केरल है जहां संक्रमण दर बहुत अधिक है। हालात को देखते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से बात करके स्थिति की जानकारी ली है।

पूर्वोत्तर के चार राज्यों में संक्रमण की स्थिति नियंत्रण से बाहर है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, सिक्किम में जांच पॉजिटिविटी दर 19.5 प्रतिशत, मणिपुर में 15 प्रतिशत, मेघालय में 9.4प्रतिशत और मिजोरम में 11.8 प्रतिशत है। विश्व स्वास्थ्य संगठन मानता है कि जब जांच पॉजिटिविटी दर दस प्रतिशत या इससे अधिक हो जाए तो इसका मतलब है कि संक्रमण नियंत्रण से बाहर हो चुका है। पूर्वोत्तर के तीन अन्य राज्य– अरुणाचल प्रदेश (7.4 प्रतिशत), नागालैंड (6 प्रतिशत) और त्रिपुरा (5.6) में भी संक्रमण दर पांच प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। जबकि फिलहाल असम(2 प्रतिशत) में संक्रमण की स्थिति नियंत्रण में है।

इस वक्त देश में कोरोना की जांच पॉजिटिविटी दर 2.3 प्रतिशत है। इसके मुकाबले पूर्वोत्तर के राज्यों की पांच पॉजिटिविटी दर 7 गुना तक अधिक है। यानी पूरे देश में जिस गति से संक्रमण फैल रहा है, उसके मुकाबले पूर्वोत्तर में हालात कहीं अधिक खराब हैं। बता दें कि जांच पॉजिटिविटी दर इस बात को दर्शाती है कि एक दिन के भीतर जांचें गए नमूनों में से कितने फीसदी नमूनों में संक्रमण की पुष्टि हुई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, इस वक्त देश के 73 जिलों में संक्रमण की दर यानी जांच पॉजिटिविटी दर 10 प्रतिशत बना हुआ है, जिसमें से 45 जिले पूर्वोत्तर के राज्यों के हैं। इसे देखते हुए पिछले सप्ताह केंद्र ने विशेषज्ञों की टीम इन राज्यों में भेजी थी ताकि संक्रमण के कारणों का पता लगाकर इसे रोका जा सके।

देश में पूर्वोत्तर के अलावा केरल का हाल खराब है जहां जांच पॉजिटिविटी दर 10.5 फीसदी बनी हुई है। अच्छी बात यह है कि दूसरी लहर में बेहाल रहे महाराष्ट्र (4.1 प्रतिशत), दिल्ली (0.1 प्रतिशत), उत्तर प्रदेश (0.1:), मध्य प्रदेश (0.1 प्रतिशत) में संक्रमण दर अभी काफी कम है।

शेष पृष्ठ चार पर

राहुल गांधी ने फिर बीजेपी सरकार पर कसा तंज

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने एक बार फिर से केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए बीजेपी पर सदियों से बनाई व्यवस्था को पलों में मिटाने का आरोप लगाया। राहुल

शेष पृष्ठ चार पर

राष्ट्रीय हिन्दी साहित्य प्रतियोगिता जुलाई तीसरे–साप्ताहिक के विजेता

प्रथम स्थान
रूपाली दिलीप चौधरी
(महाराष्ट्र)

दूसरा स्थान
प्रदीप कुमार नायक
(बिहार)

तीसरा स्थान
दिलीप कुमार शर्मा
मुखर्जी नगर देवास (मप्र)

चौथा स्थान
अनन्तराम चौबे अनन्त (मप्र)

पांचवा स्थान
जबरा राम कंडारा
(राजस्थान)

छठा स्थान
प्रा मनीषा नाडगौडा
(कर्नाटक)

सातवां स्थान
सागर सिंह भूरिया
(चंडीगढ़)

आठवां स्थान
प्रा.गायकवाड विलास.
मिलिंद क.महा. लातूर. (महाराष्ट्र)

नौवा स्थान
पदमा ओजेंद्र तिवारी
(मप्र)

दसवां स्थान
डा. सुलेखा यादव
(दिल्ली)

संपादकीय

&सलीम अहमद

संसाधानों और जनों में संतुलन वाला भारत चाहिए

हमारे वेदों (अथर्ववेद) में कहा गया है– 'हे धरती माँ, जो कुछ मैं तुझसे लूंगा वह उतना ही होगा जिसे तू पुनः पैदा कर सके। तेरे मर्मस्थल या तेरी जीवन शक्ति पर कभी आघात नही करूंगा'। स्पष्ट है कि प्रकृति के साथ सामन्जस्य जरूरी है। समन्वय की प्रथम शर्त है– प्रकृति का शोषण न हो। उसपर अत्यधिक बोझ न हो। बढ़ती जनसंख्या प्रकृति पर बोझ बढ़ाती ही है। इसीलिए आज पेड़ कट रहे हैं और उनके बदले कंक्रीट के जंगल बढ़ रहे है। तालाब पाटे जा रहे हैं, नदियां सिकुड़ रही है तो जल संकट होना स्वाभाविक है। बढ़ती जनसंख्या का ही परिणाम है कि तेजी बढ़ रहे नये संसाधन और तकनीक भी मांग और पूर्ति के संतुलन को साध नहीं पा रहे है। अस्पतालों में भीड़, स्टेशन पर भीड़, सड़कों पर रोडरेज– जाम, बसों–रेलों में क्षमता से कई गुना अधिक यात्री। रोजगार के दस अवसर हों तो 5 लाख तक आवेदन आते हैं। स्कूल कालेज में सीट एक हो तो दावेदार अनेक होते है। गांव से पलायन, शहरों में स्लम का फैलता जाल। रोजी रोटी की कौन कहे, पानी तक के लिए लंबी लाइनें। सांस लेने के लिए हवा भी शुद्ध नहीं। अब यह कोई रहस्य नहीं रहा कि ग्लोबल वार्मिंग हो या बाढ़– सूखा, पृथ्वी और प्रकृति पर अत्यधिक बोझ का परिणाम ही है। जहां तक भारत का प्रश्न है, भारत विश्व में दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश है। भारत के पास विश्व की समस्त भूमि का केवल 2.4 प्रतिशत भाग ही है जबकि यहां विश्व की कुल जनसंख्या की 16.7 प्रतिशत जनसंख्या रहती है। हमारे कुछ राज्यों की जनसंख्या भी दुनिया के कई देशों की जनसंख्या से भी अधिक है। बढ़ती जनसंख्या के कारण दिन–प्रतिदिन विकराल रूप धारण करती समस्याओं के बोझ तले हम कसमसा रहे हैं। इससे न केवल हमारा आर्थिक संतुलन बिगड़ रहा है बल्कि पारिस्थितिकीय संतुलन खतरे का निशान पार कर रहा है।

जनसंख्या वृद्धि के मुख्य कारणों में जन्म दर में वृद्धि तथा मृत्यु दर में कमी, निर्धनता, संयुक्त परिवार, बालविवाह, कृषि पर निर्भरता, प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, धार्मिक एवं सामाजिक अंधविश्वास, शिक्षा का अभाव प्रमुख हैं। जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए जनजागरण की आवश्यकता को देखते हुए हर वर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। इसी दिन अर्थात् 11 जुलाई 1987 को जब दुनिया की जनसंख्या 5 अरब हुई थी तो संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवार नियोजन का संकल्प लेने के दिन के रूप में स्मरण करने का दिवस घोषित किया। तभी से इस दिन का पूरी दुनिया में विशेष महत्व है क्योंकि आज दुनिया के हर विकासशील और विकसित देश, जनसंख्या विस्फोट से चिंतित हैं। विकासशील आकर रहने वाले शरणार्थियों के कारण परेशान हैं।

यह दुर्भाग्य की बात नहीं तो और क्या है कि कहीं 16वें बच्चे की तैयारी तो कहीं 43 बच्चों के पिता द्वारा 70 वर्ष की आयु में चौथी शादी। बेटे की चाह में अनेक बेटियों के बाद भी प्रयासरत रहना आम बात है। इसके लिए विवाह निर्धारण अधिनियम का कठोरता से पालन करना, जनसंख्या नियंत्रण के लिये लोगों को जागरूक करने के लिये शिक्षा प्रणाली में इसे सम्मिलित करना, महिलाओं को व्यापक स्तर पर शिक्षित करना, स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार जरूरी हैं, वही 'बुढ़ापे में बेटे का सहारा' जैसी मानसिकता में बदलाव के लिए प्रत्येक व्यक्ति को बुढ़ापा पेंशन का प्रावधान करना होगा।

भूख, बेकारी, अभाव के लिए सरकार को कोसने वाले समाज के रहनुमा यदि गर्भ निरोधक अभियान को ही अधार्मिक घोषित करेंगे तो सकरात्मक परिणामों की आशा कम हो जाती है। ऐसे लोगों को समझाना जरूरी है कि यदि जनसंख्या ईश्वर की देन है तो गरीबी, बेकारी, बीमारी भी तो उसी की देन है। यदि आपका ईश्वर, अल्लाह चाहता तो वह आपको समृद्ध परिवार में भी जन्म दे सकता था। उसने आपको गरीब परिवार में भेजा है तो आप क्यों गरीबी से लड़ने के लिए गांव से शहर आये, विदेश आये? बीमारी से लड़ने अस्पताल क्यों आये? आपरेशन क्यों करवाया? ऐसे तत्व जब यह समझ लेंगे कि अब जिन क्षेत्रों अथवा समुदायों की जनसंख्या दर अधिक होगी, वहां 'कठोरता' को बिना किसी राजनैतिक हस्तक्षेप के कठोरता से लागू किया जायेगा, तभी सुधार होगा। समाज, सरकार और धार्मिक रहनुमाओं को संकीर्णता को त्याग परिस्थितियों की मांग को समझना होगा। हम मनुष्य हैं तो हमे मनुष्यता कायम रखने के लिए अपने परिवेश को भेड़ों जैसी भीड़ में बदलने से रोकने के लिए सोचना ही होगा।

चुप्पी तोड़ें

यदि कोई भी सरकारी अधिकारी अपने पद का दुरूपयोग कर रहा है या कोई भी विभागीय अधिकारी आपका आर्थिक, मानसिक व शारीरिक शोषण करता है या फिर आपको किसी भी प्रकार की शिकायत है तो कृपया अपनी शिकायत/जानकारी पर हमें लिख भेजें। आपकी समस्या का समाधान किया जाएगा। आपकी इच्छानुसार आपका नाम व पहचान गुप्त रखी जाएगी।

&लिखें&

मुख्य संपादक : सलीम अहमद

सारा सच

12/596 गली नंबर: 2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली-110092

E-mail : sarasach786@gmail.com

डीटीसी बस घोटाले को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

नई दिल्ली। भाजपा ने उपराज्यपाल अनिल बैजल से डीटीसी बस घोटाले की जांच भ्रष्टाचार विरोधी विभाग से कराने की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत सहित दोषी अधिकारियों को जांच होने तक हटाने की भी मांग गई।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि इस घोटाले की जांच के लिए बनी समिति ने भी बसों की खरीद के साथ उनके रखरखाव के टेंडर को गलत बताते हुए उसे रद्द कर नए सिरे से जारी करने को कहा है। इससे स्पष्ट है कि दिल्ली सरकार ने 3500 करोड़ रुपये से ज्यादा की गड़बड़ी की है। इसलिए जनहित में इस मामले की उच्चस्तरीय जांच होनी

चाहिए। गुप्ता ने कहा कि बस घोटाले की जांच को लेकर वह उपराज्यपाल से मिलेंगे। 1000 बसों की खरीद में कोई पारदर्शिता नहीं है। इस संबंध में डीटीसी और परिवहन मंत्री के बयान भी अलग–अलग हैं। इससे पहले उन्होंने उपराज्यपाल को लिखे अपने पत्र में कहा था कि बसों की वारंटी समय के दौरान देखभाल का समझौता किया गया है जिसके लिए 3500 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

गुप्ता ने कहा कि वारंटी समय के दौरान जब सामान की जिम्मेदारी कंपनी की ही रहती है। ऐसे में अतिरिक्त 3500 करोड़ रुपये की देखभाल समझौता करने की बात तर्क से परे है।

उन्होंने कहा कि बसों की खरीद पर 875 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं और उनके देखभाल के लिए तीन वर्षों में 3500 करोड़ रुपये खर्च करने का अनुबंध अपने आप में एक बड़े घोटाले का सबूत है।

सारा सच के सक्रिय लेखक

अमित त्यागी	शेरकोट
शाहजहापुर, (यू.पी.)	डा. नंदलाल भारती
दीप्ति शर्मा	इंदौर, (मप्र)
आगरा (यू.पी.)	कल्पना समानी
पूनम शुक्ला	नवी मुंबई
गुड़गांव	कुंती मुखर्जी
डा. नीरज भारद्वाज	लखनऊ (यूपी)
दिल्ली	पूजा श्रीवास्तव
तुशार राज रस्तोगी	सिहोर (मप्र)
दिल्ली	शशि श्रीवास्तव
विभारानी श्रीवास्तव	नई दिल्ली
बेगुसराय (बिहार)	डा. पुरुशोत्तम मीणा
रेखा जोशी	पूर्णिमा शर्मा
फरीदाबाद	मुरादाबाद (यूपी)
भावना सिन्हा	अनमोल शर्मा
गया (बिहार)	बागपत (यूपी)
सलीमा आरिफ	के.सी. वर्मा
जकिर नगर	पटियाला
सुधा राजे	साजिद अली खुरेजी

आखिर कब तक ?

शबनम खान

1. यदि आप शासनिक स्तर पर न्याय चाहते हैं।
2. यदि आपकी पुलिस या अन्य किसी सरकारी विभाग द्वारा कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
3. यदि कोई सरकारी अधिकारी अथवा कर्मचारी काम के बदले आपसे रिश्वत मांग रहा है।
4. यदि कोई आपका शारीरिक एवं मानसिक रूप से शोषण कर रहा है।
5. यदि आप जीवनसाथी या किसी अन्य संबंधी द्वारा प्रताड़ित किए जा रहे हैं।
6. यदि किसी कार्यरत महिला/पुरुष का कार्यालय में अन्य तरीके से शारीरिक या मानसिक रूप से शोषण हो रहा है।
7. यदि किसी बुजुर्ग को परिवार में उचित सम्मान नहीं मिल रहा है।
8. यदि किसी शिक्षण संस्थानों में छात्र अथवा छात्राओं का मानसिक या शारीरिक स्तर पर शोषण हो रहा है।
9. यदि कोई आपको बाल मजदूरी के लिए बाध्य कर रहा है।
10. यदि शिक्षण संस्थानों द्वारा आपसे डेवलपमेंट चार्ज या डोनेशन के नाम पर अवैध धन वसूला जा रहा है।
11. यदि उपभोक्ता किसी सेवा या उत्पाद से संतुष्ट नहीं है।
12. यदि सरकारी अस्पतालों या प्राइवेट अस्पतालों में आपकी देख रेख उचित रूप से नहीं हो रही है तो घबराए नहीं, सम्पर्क करें:–

Miss Shabham Khan (President)
(Human Rights Activist)
EK Koshish Aur Abhi (EkAA)
N.G.O.
Dedicated to Human Rights & Social Justice
E-mail
:Khanshabnam.humarightactvist@Yahoo.in
www.ekkoshishaurabhi.org

सिद्धू ने पूर्ववर्ती बादल सरकार पर हमला बोला

चंडीगढ़। कांग्रेस नेता नवजोत सिंह सिद्धू ने 2015 के बेअदबी मामले में पूर्ववर्ती सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस नेता ने कहा है कि तत्कालीन शिअद–भाजपा सरकार ने मामले की उचित जांच नहीं कराई।

पंजाब में कांग्रेस में गुटबाजी समाप्त करने के मद्देनजर पार्टी नेतृत्व के प्रयासों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने हाल ही में दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के कुछ ही दिन बाद सिद्धू का यह बयान आया है।

पंजाब में 2015 में धार्मिक ग्रंथ की बेअदबी और उसके बाद हुई पुलिस फायरिंग के मामले में सिद्धू सरेआम मुख्यमंत्री के खिलाफ हमला कर मामले की जांच में देरी का आरोप लगाते रहे हैं। अब मामले में पूर्ववर्ती सरकार पर सिद्धू के हमले से राज्य में कांग्रेस पार्टी के बीच की कलह को समाप्त होने का संकेत माना जा रहा है।

सारा सच

साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

-मुख्य सम्पादक-
सलीम अहमद
-सह संपादक-
फहमीना सिद्दीकी
शाहनवाज सिद्दीकी
-सलाहकार-
दीपक त्यागी (एडवोकेट),
प्रदीप महाजन (आईएनएस),
डा. पी एल पलटा,
मनोज कुमार खत्री
मौ. मोहसिन
-छायाकार-
सुधीर कुमार, साजिद अली
ब्यूरो/विज्ञापन प्रतिनिधि
-दिल्ली-
रविन्दर कुमार, एस सिद्दीकी,
अशफाक अली
-राजस्थान-
जयपुर-विशाल चौहान
-हिमाचल प्रदेश-
शिमला
शान मो. खान
-उत्तर प्रदेश-
आगरा-हसीब हुसैन
अलीगढ़-मो. फारूख
फिरोजाबाद-फैसल मसरूर
मुज्जफर नगर-मो. इलियास

डीटीसी बस खरीद मामले में घोटाले के आरोपों को लेकर चल रही जांच में

केंद्र सरकार की उच्च स्तरीय जांच कमिटी ने दिल्ली सरकार को दी क्लीन चिट

नई दिल्ली । भाजपा को आज दोबारा अरविंद केजरीवाल की ईमानदार राजनीति के आगे मुंह की खानी पड़ी। भाजपा के बड़े नेता पिछले 3 महीनों से लगातार दिल्ली सरकार पर आरोप लगा रहे थे कि दिल्ली सरकार ने डीटीसी बसों की खरीद में घोटाला किया है। इसकी जांच के लिए केंद्र की भाजपा सरकार ने एक उच्च स्तरीय जांच कमिटी का गठन किया जिसने 3000 दस्तावेजों की जांच करने के बाद अपनी रिपोर्ट में बताया है कि दिल्ली सरकार पर लगे घोटाले के आरोप बेबुनियाद है। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने शनिवार को एक प्रेस–कॉन्फ्रेंस के जरिए इसकी जानकारी दी।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार की जांच कमिटी बसों की खरीद में कोई खामी या गड़बड़ी नहीं निकाल पाई है। जांच कमिटी की रिपोर्ट ने ये साफ कर दिया है कि दिल्ली में अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व की सरकार ईमानदार है और दिल्ली भाजपा के नेता सरकार की छवि को खराब करने का प्रयास कर रहे हैं।

ज्ञात रहे पहले भी भाजपा के नेताओं ने दिल्ली सरकार पर झूठे आरोप लगाए थे और जांच कमिटी ने दिल्ली सरकार से 400 फाइल समन की थी।

जांच कमिटी को तब भी कोई गड़बड़ी नहीं मिली थी। ये साफ करता है कि दिल्ली सरकार ईमानदारी के साथ दिल्ली की जनता के हितों के लिए काम कर रही है।

भाजपा के झूठ और बेईमानी की राजनीति पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के गुड गवर्नेंस, ईमानदारी और काम की राजनीति के मॉडल की पूरे देश में चर्चा हो रही है। दिल्ली सरकार दिल्ली की जनता के लिए दिन रात काम कर रही है पर इससे सीखने के बजाय भाजपा के नेता नफरत और झूठ फैलाने का काम कर रहे है। जनता के हितों के लिए हो रहे काम रोक रहे हैं। भाजपा के नेताओं को शर्म आनी चाहिए और उन्हें जनता के सामने आकर माफी मांगनी चाहिए।

उपमुख्यमंत्री ने साझा किया कि दिल्ली में 2008 से 2015 तक कोई बस नहीं खरीदी गई। 2015 में सरकार में आने के बाद अरविंद केजरीवाल ने सार्वजनिक परिवहन सेवा को बेहतर करने के लिए बसों के खरीद के लिए जब भी टेंडर निकाला है तो भाजपा के नेता अड़चन लगाने का प्रयास करते है। लेकिन उनके तमाम झूठ और अड़चनों के बावजूद दिल्ली सरकार दिल्ली की जनता के हितों के काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। अब दिल्ली में बसें आएंगी और सार्वजनिक परिवहन सेवा को ओर बेहतर बनाया जाएगा।

दिल्ली में

पटाखे फोड़ने और लाउडस्पीकर बजाने वाले हो जाएं सावधान!

नई दिल्ली।दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) ने राजधानी में ध्वनि नियमों के उल्लंघन के लिए जुर्माने को संशोधित किया है। अब लाउडस्पीकरों और सार्वजनिक सूचना प्रणाली के माध्यम से शोर करने पर 10,000 रुपये तक का भारी जुर्माना लगाया जाएगा।

आदेश के अनुसार, 1000 किलोवोल्ट–एम्पीयर (केवीए) से अधिक के डीजल जेनरेटर सेट के लिए 1 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा और बिना पूर्व अनुमति के अधिक आवाज करने वाले निर्माण उपकरणों के लिए 50,000 रुपये का जुर्माना होगा। नए संशोधन के तहत ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले किसी भी माध्यम पर लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। साथ ही जेनरेटर सेटों के ध्वनि प्रदूषण के संबंध में कार्रवाई करने के भी आदेश दिए गए हैं। इसके अलावा अब ध्वनि प्रदूषण फैलाने वाले प्लांट को भी जब्त कर लिया जाएगा। संशोधन के इस प्रस्ताव को एनजीटी ने भी स्वीकार कर लिया है।

ध्वनि प्रदूषण के लिए नई जुर्माना दरों के अनुसार, अब यदि निर्माण उपकरण निर्धारित मानकों से अधिक ध्वनि करते हैं तो 50,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा और उपकरण भी जब्त किए जाएंगे। इसके अलावा रिहायशी या कॉमर्शियल इलाकों में पटाखे जलाते हुए पाए जाने वालों पर 1,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा। हालांकि अगर साइलेंट जोन में पटाखे जलाए जा रहे हैं, तो वही जुर्माना 3000 रुपये होगा।

इसके अलावा अगर सार्वजनिक रैलियों, शादी समारोहों और अन्य ध ाार्मिक आयोजनों में पटाखों का इस्तेमाल किया जा रहा है तो रिहायशी और कॉमर्शियल जोन में 10,000 रुपये तक और साइलेंट जोन में 30,000 रुपये तक का जुर्माना होगा।13 अगस्त, 2020 को नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (NGT) ने दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (DPCC) और केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (CPCB) को यह सुनिश्चित करने के लिए और कदम उठाने के निर्देश दिए थे कि लोगों के स्वास्थ्य और पर्यावरण की सुरक्षा के लिए जमीनी स्तर ध्वनि प्रदूषण नियम लागू किए जाएं।

पूर्व महापौर जय प्रकाश ने निगम व पुलिस अधिकारियों साथ लगाया जनता दरबार

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली निगम के पूर्व महापौर जय प्रकाश द्वारा 10 जुलाई को नागरिकों की निगम व पुलिस सम्बन्धी समस्याओं के मद्देनजर सदर बाजार थाने में जनता दरबार लगाया गया।

जनता दरबार में उत्तरी निगम के वरिष्ठ अधिकारीयों के अलावा दिल्ली पुलिस के सहायक आयुक्त, नीरज कुमार, सदर थाना प्रभारी, तिलक राम, बाड़ा हिंदू राव थाना प्रभारी, गुमनाम सिंह, सब्जी मंडी थाना, प्रभारी राजेन्द्र कुमार ने जनता की समस्याएं सुनी व् उनका मौके पर ही समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष,

दीपक मित्तल, कमल सिंह, हर्षवीर शर्मा व अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे ।

जय प्रकाश ने बताया कि जनता दरबार के दौरान डार्क स्पॉट, मॉनसून के दौरान जल भराव, गड्ढों की मरम्मत, क्षेत्र की सफाई व्यवस्था और कोरोना संक्रमण की रोकथाम के संबंध में विशेष चर्चा की गई। उन्होंने निगम अधिकारियों को मॉनसून के दौरान क्षेत्र में जल भराव की स्थिति उत्पन्न ना हो यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अधिकारियों को क्षेत्र में सभी गड्ढों को भरने के निर्देश दिए ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

जनता दरबार के दौरान पुलिस अधिकारीयों द्वारा उपस्थित सभी मार्केट एसोसिएशन व आरडब्लूए के पदाधिकारियों से निवेदन किया गया कि वे सभी यह सुनिश्चित करने में सहायता करें कि सभी नागरिक खरीदारी के दौरान घर से बाहर निकलने के दौरान कोरोना संक्रमण की रोकथाम हेतु बनाए गए नियमों का पूरी ईमानदारी के साथ पालन करें।

उल्लेखनीय है कि सदर बाजार थाने में आयोजित जनता दरबार के दौरान लगभग 200 से 250 स्थानीय लोग उपस्थित रहे जिन्होंने अपनी अपनी समस्याएँ अधिकारियों के समक्ष रखी।

जय प्रकाश ने बताया कि जनता दरबार के प्रति लोगों के उत्साह को देखते हुए यह निर्णय भी लिया गया कि अब क्षेत्र में हर महीने एक जनता दरबार लोगों की समस्याओं को सुनने के लिए लगाया जाएगा।

Chetan Srivastava
98100 63006, 93100 63006
kaagzaat
कागज़ात
a complete property Documentation point
DELHI DOCUMENTATION CENTRE
Specialists in : Drafting & Registration of documents for
Free Hold, Lease Hold, Commercial, Industrial, DDA, L&DO Society
Properties & Flats wih Computer Processing & Manual Typing
LEASE HOLD TO FREE HOLD A SPECIALITY
Off : UG-28 Suneja Tower-I
Distt. Centre Janak Puri, New Delhi-58
Ph : 2554 1618, 2561 7461
Br. Off :- Shop No.2 S-2/100
Old Mahavir Nagar, Near
Mangla Hospital, New Delhi-18

सारा सच

सारा सच एक जरिया है दुनिया की सबसे बड़ी प्रसिद्ध सोशल नेटवर्किंग साइट पर अपने कारोबार को बड़े लेवल पर बढ़ाने के लिए सारा सच अखबार/वेबसाइट में विज्ञापन देकर अपनी पब्लिसिटी करवाएं । क्योंकि सारा सच ने इन पर अपनी प्रोफाइल/आईडी बनाकर अपनी पहचान बनाई है और लोगों को अपने साथ जोड़कर हमेशा अपडेट रहता है।

सम्पर्क करें : +91&999&000&7067

E-mail : sarasach786@Gmail.com

JOIN-US Facebook Google Plus

मार्केटिंग, एक्जिक्यूटिव, डिस्टीब्यूटर तथा विज्ञापन प्रतिनिधि सम्पर्क करें

सारा सच को चाहिए मेहनती, संघर्षशील, जुझारू ब्यूरो चीफ (सभी जिला), संवाददाता

पाठकों के लिए विशेष

जो भी पाठक अच्छी कहानी, कविताएं खबर इत्यादि देगा उसे मीडिया से जुड़ने का मौका मिलेगा

विज्ञापन

दो के साथ एक फ्री	या	30 प्रतिशत की छूट

हमारे समाचार पत्र के जरिए अपने व्यापार को बढ़ाएं या वेबसाइट पर अपनी पब्लिसिटी के लिए सम्पर्क करें

सम्पर्क करें:

91-999-000-7067

www.sarasach.com

Email : sarasach786@Gmail.com

प्रस्तुति
चंदना शर्मा
दतिया (मप्र)

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया जब से हम सब की जिंदगी में आयी।
तब से सोशल जिंदगी का अंत कर ,मोबाइल संग हम सब ने जिंदगी है बितायी।

फेसबुक ,व्हाट्सएप्प, इंस्टा ,ट्विटर के जरिये जब कोई जाने हमारा हाल।
मेसेज और स्टीकर भेज भेज ,कर देते हैं हम उसका बुरा हाल।

सारा सच है , क्या, कहाँ है खाया, डालकर फोटो करते हैं हम शेयर।
स्टेटस और स्टोरी में बता देते हैं अपना बिहेवियर ।

ऐसी लाई सोशल मीडिया जीवन मे बहार।
सारे रिश्ते नातों से कर दिया हमको बाहर।

सारा सच है, सोशल मीडिया की हर कोई करना चाहे सवारी।
होकर शादीशुदा भी ,कुछ लोग कहते हैं कि वो हैं ब्रह्मचारी।

युवा ,बच्चा ,वृद्ध सब ऐसे हो गए सोशल मीडिया पर व्यस्त।
सोशल मीडिया छोड़ ,उन्हें घर के काम करने में हो रहा बेहड़ कष्ट।

सोशल मीडिया जीवन को कहा से कहा ले जा रही है।
खुश हुये जा रहे हैं चलाने वाले, और परिवार जन दुःखी हुये जा रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ के शेष

उत्तराखंड में केजरीवाल ने...

यह हास्यास्पद है कि सरकार की ओर से पांच साल के कार्यकाल में तीन बार मुख्यमंत्री बदले गए हैं। कहा कि भाजपा और कांग्रेस की सरकारों ने उत्तराखंड में विकास कार्यों को प्राथमिकता नहीं दी है। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल आदि जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए कई–कई किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

इससे पहले देहरादून के जौलीग्रांट एयरपोर्ट पहुंचे केजरीवाल का पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ 'आप' के वरिष्ठ नेताओं ने उनका स्वागत किया। पार्टी सूत्रों की मानें तो केजरीवाल राज्य के उपभोक्ताओं को निशुल्क बिजली उपलब्ध कराने के मुद्दे पर बड़ी घोषणा कर सकते हैं। बता दें कि उत्तराखंड में आप के विधानसभा चुनाव लड़ने की घोषणा के बाद यह केजरीवाल का यह पहला उत्तराखंड दौरा है।

इसे लेकर पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह बना हुआ है। चूंकि, उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव भी हैं, ऐसे में पार्टी पूरी फिल्डिंग के साथ मैदान में उतरने की कोशिश करेगी। पार्टी सूत्रों की मानें तो आप के उम्मीदवार भाजपा और कांग्रेस वोट बैंक में सेंध लगाने की पूरी कोशिश करेंगे। इस दौरान उनकी पार्टी कार्यकर्ताओं से भी मुलाकात होनी है, जिसमें चुनावी रणनीति पर विचार किया जाना है। कुछ अहम लोग भी इस बीच पार्टी का दामन थाम सकते हैं। आप की चुनावी घोषणा के बाद केजरीवाल का यह पहला उत्तराखंड दौरा है इसके लिए आप कार्यकर्ताओं में खासा जोश बना हुआ है। वहीं आपको बता दें कि केजरीवाल के दौरे से ठीक एक दिन पहले आप कार्यकर्ताओं ने शनिवार को सीएम आवास कूच कर आक्रोश रैली निकाली थी।

देश में आने ही वाली है

पूर्वोत्तर के खराब हालात के बीच हैदराबाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ भौतिक विज्ञानी और पूर्व कुलपति डॉ. विपिन श्रीवास्तव ने दावा किया है कि बीती चार जुलाई से देश में कोविड–19 के संक्रमण और मौतों का पैटर्न वैसा ही देखा जा रहा है, जैसा इस साल फरवरी के पहले हफ्ते में था। यही मामले अप्रैल के अंत तक देश में गंभीर रूप ले चुके थे। इस आधार पर कोरोना के तीसरे लहर की शुरुआत की आशंका जताई जा रही है।वहीं, आईएमए ने सरकार को चेतावनी दी है कि अगर पर्यटन स्थलों और धार्मिक समारोह से भीड़ कम नहीं हुईं तो तीसरी लहर भयावह होगी।

राहुल गांधी ने फिर बीजेपी...

गांधी ने ट्विटर पर लिखा कि सदियों का बनाया, पलों में मिटाया, देश जानता है कौन ये कठिन दौर लाया। राहुल गांधी लगातार वैक्सीन किल्लत, चीन के साथ सीमा विवाद, महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर केंद्र सरकार पर निशाना साधते रहे हैं। राहुल ने अपने ट्वीट के साथ '#VaccineShortage #LAC #Unemployment #PriceHike #PSU #Farmers #OnlyPR' जैसे हैशटैग का भी इस्तेमाल किया। इससे पहले बुधवार को भी राहुल गांधी ने चीन के साथ विवाद को लेकर ट्वीट किया था। राहुल ने लिखा था, श्मोदी सरकार ने विदेश व रक्षा नीति को देशीय राजनैतिक हथकंडा बनाकर हमारे देश को कमजोर कर दिया है। भारत इतना असुरक्षित कभी नहीं रहे।

मीडिया का काम

प्रस्तुति
प्रदीप कुमार
नायक
(बिहार)

प्रेस यानी मीडिया का काम बहुत ही जिम्मेदारी भरा हैं।मीडिया के हर कार्य के समाज पर अच्छे और बुरे दोनों प्रभाव पड़ते हैं । लोकतंत्र अगर आज जिन्दा हैं तो इसमें पत्रकारिता का महत्वपूर्ण योगदान हैं।आज भले ही आप कुछ प्रिंट एवं टी.वी.चौनलों के उन्मादी कवरेज के कारण मीडिया के खिलाफ एक नजरिया बना ले,लेकिन आप यह कैसे भूल सकते हैं कि आज भी अनेकों पत्र–पत्रिका समूह सिर्फ सच को उजागर कर अपने धर्म का निर्वाह करते हुए आर्थिक मानसिक प्रताड़ना झेलना तो पसन्द करते हैं।लेकिन किसी अत्याचारी,भ्रष्टाचारी की चापलूसी करने के बजाय सदैव कुर्बानी देने को तैयार रहते हैं।इकबाल की निम्न पंक्तियां मुझे याद आ रहा हैं।जिसमे कहाँ गया हैं कि –

तेज सा तलवार ,सादा सा कलम
बस यही दो ताकते हैं वेस या कम
एक हैं जंगी सुजात कर निशां
एक हैं इलमी लियाकत का निशां
आदमी की जिंदगी,दोंनो से हैं
कौम की ताबदगी, दोंनो से हैं
जो नहीं डरते,कलम की मार से
कलम होता हैं सर,उनका तलवार की धार से
जंग के मैदान में,राजी बनों.

मीडिया का काम तथा एक पत्रकार का सच्चा धर्म यही हैं कि वह आम जनता तक सही तथ्य पहुंचाये चाहे वह किसी भी कीमत पर हो।भारतीय पत्रकारिता विश्व की सर्वश्रेष्ठ पत्रकारिता में से एक हैं।भारतीय पत्रकारिता अगर सर्वश्रेष्ठ पत्रकारिता हैं तो यह संयोग से या किसी की दया से नहीं हैं बल्कि इसके लिए हम में से कई लोगों को इसकी भारी कीमत चुकानी पड़ी हैं।इसके लिए कई मुकदमा लड़े गए, कई नौकरियां चली गई।पत्रकारों को लूटा गया,धमकाया गया,जेल भेजा गया और यहाँ तक कि उनकी हत्यायें भी की गई और यह भी सच हैं कि उनका मान सम्मान भी किया गया और उन्हें संसद तक मे भी भेजा गया।

पत्रकारों को जो कुछ भी मिला हैं वह साहस व लड़ाई से ही प्राप्त हुआ हैं।यहीं कारण हैं कि हम आज भी सत्ता को अपने मैदान में घुसपैठ करने और निरर्थक मूर्खतापूर्ण तरीकों से अपनी आजादी पर पाबंदी लगाने से रोकने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।एक पत्रकार का काम राष्ट्र निर्माण करना नहीं बल्कि उसमें सहायता करना हैं।उसका काम जमीन से जुड़ा हैं।आम जनता तक सिर्फ सच्चाई पहुंचाना उसका धर्म हैं, चाहे वह किसी भी कीमत पर हो।सच से सत्ता नाराज हो सकती हैं, उसके निहित स्वार्थ प्रभावित हो सकते हैं।यहां तक कि सच्चाई से हम सबको धक्का लग सकता हैं।लेकिन यही तो पत्रकार का धर्म हैं।जैसे रन क्षेत्र में एक योद्धा का धर्म लड़ना होता हैं चाहे उसका कोई भी परिणाम हो।

आज पत्रकारिता पूरी तरह बदनाम होकर रह चुकी हैं और उसके अस्तित्व खतरे में हैं।मीडिया का सरोकार इस बात से कतई नहीं रहता हैं कि समाज एवं सरकार को दिशा दे सके,बल्कि उसकी दखल अंदाजी बाजार एवं भ्रष्टाचार पर होती हैं।ता कि उसका संगठन चंद ही महीनों में मालो माल होना चाहती हैं।पत्रकार खबरों के बाजीगर हैं, दलाली के लिए महशूर न हो।

पत्रकारिता एक मिशन हैं।उस मिशन के पीछे देश की सेवा और आम आदमी की आवाज बनकर पत्रकारिता के माध्यम से लोंगो के दिलो में सेवा भावना एवं समर्पण की परिभाषा गढ़ी जाती हैं।

वर्षो पहले मैं प्रदीप कुमार नायक , ष स्वतंत्र लेखक एवं पत्रकार ष ने जो जेहाद अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय,शोषण के खिलाफ छेड़ा था,वह आज भी जारी हैं।1857 से लेकर अब तक जिन योद्धाओं ने जंगे आजादी में कुर्बानी दी और आजादी के बाद भी राष्ट्र निर्माण में जिन्होंने अपने धर्म का निर्वाह करते हुए अपना योगदान दिया पत्रकार परिवार उन सभी को नत मस्तक हो अपने श्रद्धा सुमन अर्पित करता हैं।

विभिन्न पत्र–पत्रिका एवं समाचार पत्र के माध्यम से हमने यहीं कहाँ हैं कि –

धरा बेच देंगे,गगन बेच देंगे,
चमन बेच देंगे,सुमन बेच देंगे,
अगर सो गए,कलम के सिपाही,
वतन के सौदागर,वतन बेच देंगे,

हम आपसे यही कहना चाहते हैं कि आजादी के 74 वर्षो बाद व स्वतंत्रता आंदोलन के 164 वर्षो बाद भी भारत अगर विश्व गुरु नहीं बन पाया हैं तो इसके लिए जो जिम्मेदार हैं, उन्हें देश द्रोही समझकर सजा देने व दिलाने के लिए हमे बिना किसी भेदभाव के आगे आना चाहिए।

पत्रकार जिस प्रकार कुछ अपवादों को छोड़कर सच के साथ चल रहे हैं उसी प्रकार कार्य पालिका,विधायिका व न्यायपालिका को भी अपने धर्म का निर्वाह करते हुए सच लिखने वाले पत्रकारों को न्याय के लिए आगे आना चाहिए और पत्रकारों को यह विश्वास दिलाना चाहिए कि आप सदैव ष सत्यमेव जयते ष के पथ पर चले और भारतीय संविधान के तहत जिन्हें राष्ट्र निर्माण की जिम्मेवारी सौपी गई हैं वे अपने धर्म का पालन करते हुए राष्ट्र निर्माण करें।

लेखक – स्वतंत्र लेखक एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में विभिन्न पत्र– पत्रिकाओं, समाचार पत्र एवं चैनल में अपनी योगदान दे रहे हैं।

* * * * * * * * * * * *

केंद्र ने निजी टीका केंद्रों की धीमी गति पर चिंता जताई

नई दिल्ली। केंद्र ने कहा कि कुछ राज्यों में निजी केंद्रों द्वारा कोविड–19 रोधी टीके खरीदने व उन्हें लगाने की धीमी गति गंभीर चिंता का कारण है। उसने राज्यों तथा केंद्रशासित प्रदेशों को रोज स्थिति की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी कि टीकों की खुराक के लिए मांग पत्र तुरंत टीका निर्माताओं को भेजे जाएं।

केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के स्वास्थ्य सचिवों और वरिष्ठ टीकाकरण अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की। इस दौरान टीकों के ऑर्डर, खुराक को प्राप्त करने तथा भुगतान में देरी समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई। भूषण ने कहा कि कई निजी कोविड टीकाकरण केंद्रों (पीसीवीसी) ने कोविड–19 टीकों की तय मात्रा के लिए कोई मांग पत्र नहीं दिया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कई राज्य सरकारों को पीसीवीसी द्वारा टीके खरीदने की सुविधा देने की आवश्यकता है। उसने कहा, राज्यों को दैनिक आधार पर स्थिति की समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि निजी टीका निर्माताओं को टीकों की तय मात्रा के लिए जल्द मांग पत्र दिया जाए।

बयान में कहा गया है कि कई मामलों में राज्य सरकार ने कोविड–19 टीकों के लिए मांग पत्र दिया लेकिन पूरा भुगतान नहीं किया गया। इसमें कहा गया है, कुछ मामलों में जितनी खुराक मंगाई गई थी उसके लिए पूरा भुगतान नहीं किया गया।

राज्य सरकारों तथा पीसीवीसी को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि मांगे गए टीकों की खुराक और भुगतान के बीच अंतर शून्य रखा जाए।

बैठक में यूपी, मध्य प्रदेश, राजस्थान, ओडिशा, तेलंगाना, अरुणाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, दिल्ली, पंजाब और हरियाणा ने वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये भाग लिया। भारत बायोटेक और एसआईआई के नोडल प्रतिनिधि भी बैठक में थे।

सारा सच PRESENT हमारीवाणी YOUR VOICE ON MIC
www.sarasach.com SHOW YOUR TALENT
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र
◆वर्ष : 3 ◆अंक : 51 ◆ वीरवार 15 जुलाई से 21 जुलाई, 2021 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1442 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति
रूपाली दिलीप चौधरी
(महाराष्ट्र)

सोशल मीडिया

आज के दौर में मीडिया विमर्श की चर्चा गहनता से हो रही है । जिसमें फिल्म, अखबार ,वेब ,संगणक ,दूरदर्शन, पत्रिका यह सब मीडिया में छाया हुआ दिखाई देता है । 1914 में प्रारंभ हुआ भारतीय सिनेमा और सन 2014 में अपने कार्य पूर्ति का शतक पूर्ण कर चुका है । राजा हरिश्चंद्र से शुरुआत हुआ तो हरिश्चंद्र की फैक्ट्री के शतकीय मुकाम पर आज पहुंच चुकी है । जिसमें प्रधान नेतृत्व दादा साहब फाल्के तथा भालजी पेंढारकर, बाबूराव पेंटर, गुरुदत्त ,राज कपूर ,लता मंगेशकर, मोहम्मद रफी ,सत्यजीत राय ,मुंशी प्रेमचंद ,विमल रॉय,दिलीप कुमार, राजेश खन्ना, गुलजार ,नूतन ,जैनेंद्र कुमार, साहिल लुधियानवी, राजदत्त जब्बार पटेल जैसे अनेकानेक असीम प्रतिभाशाली कलाकारों ने शतकीय हिंदी सिनेमा को अपने योगदान से गौरवान्वित किया । आलम आरा दोस्ती पैसा मुगल–ए–आजम मदर इंडिया आराधना शोले जैसी फिल्में शकीय हिंदी सिनेमा की मील का पत्थर बन चुकी है । विमल राय के निर्देशन में बनी सुजाता यह फिल्म और समुदायों की गहरी खाई को उजागर करती हैं । जिसमें ब्राह्मण नायक अधीर सुनील दत्त और अछूत नायिका सुजाता नूतन इनकी सफल प्रेम कथा के कथ्य में केंद्रीय दिखाई देती है । दलित विमर्श की 97 से एवं सामाजिक धार्मिक पाखंड का पर्दाफाश करने वाली फिल्म बदनाम बस्ती अंकुर अछूत कन्या पुनर्मिलन नया कदम जाग उठा इंसान द मून ऐसे तमाम फिल्में बनाई गई दलित विमर्श को उजागर किया गया । सत्यजीत रॉय के निर्देशन में प्रेमचंद की कहानी सद्गति पर हिंदी दलित जीवन की दर्दनाक दशा अभिव्यक्ति कहानी के रूप में एक फिल्म उभरकर आई जिसमें ओम पुरी स्मिता पाटिल तथा मोहन आगाशे के अभिनय से प्रभावित यह कलाकृति भीषण ब्राह्मणवाद के बराबर चित्र को साकार कर देती है ।

वस्तुतः मीडिया विमर्श न केवल विकृत सामाजिकता को एवं छुआछूत की बीमारियों को तथा गांव की समस्याओं को शोषण एवं अन्याय अत्याचार को ही दर्शाती नहीं है अपितु मीडिया विमर्श इन सब का पर्दाफाश करता है । मीडिया के इस पर्दाफाश ने समाज में होने वाले सभी अन्य एवं अत्याचारों पर कड़ी कटाक्ष डाली है जिसके द्वारा एक सामाजिक परिवर्तन का सर्वस्व वर्चस्व अदाकारी के रूप में मीडिया लेता है । आज तक कई समस्याओं को देखा गया लेकिन मीडिया विमर्श ने उन सभी समस्याओं को न केवल दिखाया बल्कि उन समस्याओं को सुलझाने का भरसक प्रयास भी किया । आने वाली पीढ़ी के लिए एक नया योगदान नई सीख ही नहीं दे पाता बल्कि उसके द्वारा उस समाज से भी यथोचित परिचित करा देता है । मीडिया विमर्श के कारण ही हम हमारे भारत को ही नहीं संपूर्ण विश्व को एक यथार्थ दर्शन के रूप में आत्मसात कर सकते हैं ।

सारा सच के सक्रिय साहित्य लेखक

1– अनंतराम चौबे अनंत (मध्यप्रदेश)
2– पदमा ओजेन्दर तिवारी (मध्यप्रदेश)
3– डॉ रुपाली दिलीप चौधरी (महाराष्ट्र)
4– सुरेन्द्र कुमार जोशी (मध्यप्रदेश)
5– शोभा त्रिपाठी (छत्तीसगढ़)
6– रश्मि लता मिश्रा (छत्तीसगढ़)
7– प्रो डावरे रोहिणी बालचंद्र (महाराष्ट्र)
8– प्रो मनीषा विकास नादगोड़ा (कर्नाटक)
9– प्रिया रॉय (त्रिपुरा)
10– कुमारी दुलेश्वरी मांझी (छत्तीसगढ़)
11– राशिद अकेला (झारखण्ड)
12– अजय कुमार पांडेय (हैदराबाद)
13– बजरंग लाल सैनी (राजस्थान)
14– आरिफ असास (दिल्ली)
15– कुमारी महक नाग (छत्तीसगढ़)
16– कृष्ण कुमार पांडेय (मध्यप्रदेश)
17– अश्मजा प्रियदर्शिनी (बिहार)
19– मनीषी मित्तल (चंडीगढ़)
20– रेनू बाला धार (झारखंड)
21– प्रीति एम (बैंगलौर)
22– इन्दिरा कुमारी (उत्तर प्रदेश)

सच बतलाना मीडिया का काम

प्रस्तुति
दिलीप कुमार शर्मा
मुखर्जी नगर
देवास (मप्र)

चाहे शहर हो या कोई गांव,
भीषण गर्मी या मिल जाए छाव ।
बस से जाना या मिल जाए नावस
या कभी पहुंचता नंगे पांव स
विशिष्ट कार्य है ना कोई आम ,
सच बतलाना मीडिया का काम ।

सही वक्त पर है पहुंच ही जाता,
सही–सही घटना बतलाता ।
सर्दी, बारिश हो या गर्मी,
आमजन हो या शासकीय कर्मी ।
सुबह ,दोपहर या ढलती शाम,
सच बतलाना मीडिया का काम ।
नहीं किसी से मीडिया डरता,
सब के सच्चे हक के लिए लड़ता ।
कोई भी संस्था या समाज हो,
साधारण जन या सर पर ताज होस
दिल्ली, मुंबई हो या पटना,
आंखों से बचती नहीं कोई घटना ।
मंजिल तक नहीं करता आराम,
सच बतलाना मीडिया का काम ।

मीडिया समाज को राह दिखाता,
मीडिया शासन तक पहुंच जाता ।
गांव की पगडंडी से शहरों तक,
खेत किसान के हो या नहरों तक ।
नहीं करता मीडिया आराम,
सच बतलाना मीडिया का काम ।

प्रस्तुति
अनन्तराम चौबे
अनन्त (मप्र)

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया की तकनीक से
बहुत कुछ हासिल हो जाता है ।
सारा सच है घर बैठे वाट्सएप से
बहुत कुछ आन लाइन हो जाता है।

वाट्सएप फेसबुक गूगल हो
फायदा नुकसान तो होता है ।
चलाने वाले के ऊपर निर्भर है
क्या उससे हासिल करता है

मोबाइल के माध्यम से फेसबुक
वाट्सएप गूगल से जुड़ते हैं।
यूट्यूब इंटरनेट से भी जुड़कर
सारा सच मोबाइल से कर लेते हैं ।

साहित्य के क्षेत्र में साहित्यकार
आनलाइन कवि सम्मेलन करते हैं ।
सारा सच आडियो वीडियो कविता
फेसबुक वाट्सएप में भेजते हैं ।

सोशल मीडिया से आनलाइन
सभी काम आसान हो जाते हैं ।
गलत काम करने वाले जो हैं
गलत काम भी इससे करते हैं ।

इंटरनेट के माध्यम से लेन देन
काम सभी मोबाइल से होते हैं।
सोशल मीडिया की तकनीक से
सारा सच पैसों का घोटाला करते
हैं।

आनलाइन बच्चों की क्लासें
जब से मोबाइल में शुरू हुई है।
क्लासों के बहाने बच्चों में
गलत आदतें भी शुरू हुई है ।

गलत काम जो भी करते हैं
वो लोगों को झूठा फसाते हैं ।
दो नंबर का काम भी करते हैं
सारा सच है नुकसान पहुंचाते हैं ।

न्यायपालिका कार्यपालिका
विधायिका शासन के स्तंभ है ।
सोशल मीडिया प्रिंट मीडिया
देश का ये भी चौथा स्तंभ है ।

मीडिया का काम

प्रस्तुति
जबरा राम कंडारा
(राजस्थान)

क्यों डरती है आज मीडिया,सच्ची बात बताने से।
क्या फायदा होता इसको,सच्चा राज छुपाने से।।

निष्पक्ष और स्वतंत्र हमेशा,छवि होती बेदाग है।
बस यथार्थ को दिखलाना,सच जँचता स्वांग है।।

ना रखता यारी–शत्रुता,ना कोई रिश्ता–नाता होता।
बात ये बेबाक बोलता, ना होता रट्टूमल तोता।।

कोई छोटा बड़ा इसके, ना दूरियां–नजदीकी।
दल से लेना–देना कछु ना,चमचागिरी ना सीखी।।

सत्ता से न लेना–देना,निडर और निर्भय दिखता।
झूठ को झूठ सच को सच,जैसा है वैसा लिखता।।

आज क्या हो गया इसको,क्यों बिकाऊ लगता है।
गलती बताने से डरता,दूर दबंगो से भगता है।।

कभी–कभी पक्षपाती लगता,ये कैसा फर्क आया।
कभी–कभी परहेज करें,दलितन का दर्द छुपाया।।

मीडिया का काम जो है, वो सही सही करे।
कर्तव्य से तनिक डिगे नही, बिल्कुल नही डरे।।

जिम्मेदार बने मीडिया,सारा सच सामने लाये।
कोई न दोषारोपण होगा,सच बताये दिखलाये।।

गर मीडिया सही चले, सारी व्यवस्था सुधरे।
मिटे भृष्टाचार गोटाले, शोषणकर्ता क्या करे।।

सही घटनाक्रम सारा सच,सही खबरें दिखालाना।
सच ये संभव होगा,निष्पक्ष मीडिया कहलाना।।

गर मीडिया सही चले, सारी व्यवस्था सुधरे।
मिटे भृष्टाचार गोटाले, शोषणकर्ता क्या करे।।

चाहे कोई क्यों ना हो, सच्च सामने लाना होगा।
फर्ज मीडिया का बनता,निर्भय आगे आना होगा।।

सच मीडिया अगर बताये,हिलने कुर्सी लगती है।
इसकी शक्ति है अतुलित,सोई दुनिया जगती है।।

* * * * * * * * * * * * * *

सारा सच
www.sarasach.com
PRESENT
हमारीवाणी
SHOW YOUR TALENT
YOUR VOICE ON MIC
दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

◆वर्ष : 3 ◆अंक : 51 ◆ वीरवार 15 जुलाई से 21 जुलाई, 2021 ◆पृष्ठ:8 ◆मूल्य:3 रुपए, हिजरी 1442 R.N.I. NO. DELHIN/2018/76166

प्रस्तुति
प्रा मनीषा नाडगौडा
(कर्नाटक)

मीडिया की सजगता

क्या कहु जी मीडिया की,
मीडिया का बखान कितना भी करो कम ही है
था मैं किसी समय अलग अलग विधाओं में
ताम्र पत्र की अलग सी पहचान
मिटटी बालु पर की वो लिखावट
झाड़ के छाल कभी उसके पत्ते
खुश थे लोग इनके उपयोग पर
युग बीते समय देश काल वातावरण ने करवट बदली
मेरी तसवीर चेहरा मोहरा ही बदल गया
आज मैं हूँ लोकशाही का चवथा स्तंभ
नदीसा बहता नीर जैसा,अटल अजेय परबत की महान ताकतसा
रुकता नहीं झुकता नहीं अनभिज्ञ आज्ञाकारी हूँ
कभी राजनीति के प्रभाव में कभी समाज के पैरो तलें संवरता संभलता
हाँ फिर भी हूँ मैं चवथा स्तंभ
उपस्थिति मेरी भूतल की हर सतह पर
न समय की पाबन्दी न सुरक्षित जीवन की अहमियत
धमकियों भरा धैर्यशील साहसी सदैव कार्य मग्न मैं
न शाबासी चाहता हूँ किसीसे न प्रेरित होता हूँ
मीडिया फिर भी कहलाता हूँ मैं
बारिश में तूफान में दंगा फसादों में राजनीती समाज के
हर एक दायरें में वक्त बेवक्त जुंजता
आरोप प्रत्यारोप के संघर्ष में फसा
फिर भी मैं ही हूँ आन बान शान मेरे भारत की
जी जान से सेवा में रत इसके प्रगति उन्नति का गवाह
कभी बन जाता हूँ मैं मायबाप हूँ कड़ी मैं समाज के अंतरंग की
मिडिया के बिना आज है हम अधूरे कद्र करनी है उनकी ,देना है सम्मान
इन्हे ताकत है आज हमारी ये
गुजर रहे है वैश्विक महामारी के दौर से आज
डॉक्टर, नर्स,सुरक्षा कर्मी पुलिस और मीडिया इनके बलबूते कर रहे है, मुकाबला
भारत जीतेगा कोरोना हारेगा , मीडिया की ताकत बनें रहे

प्रस्तुति
सागर सिंह भूरिया
(चंडीगढ़)

मीडिया का काम

आजकल सोशल मीडिया के आने से दुनियां की तमाम घटनाओं का श्सारा सचश सभी लोगों तक पहुंच रहा है। जिससे लोग समय पर जागरूक हो रहे हैं। कोरोनावायरस से सारी दुनिया पीड़ित हैं। मीडिया द्वारा इसका सारा सच लोगों तक समय पर पहुंचाने तथा लोगों कोजागरूक करने से ही इसे अब काफी हद तक जा सका है।

आज लेखकों को भी अपना लेखन प्रकाशित करने के लिए सोशल मीडिया के रूप में एक खूबसूरत मंच मिल गया है। पहले लेखकों की रचनाएं संपादकों के दायरे में सिमट कर रह जाती थी। कई बार लेखक समय पर रचना न छपने पर निराश हो जाते थे। वह आगे लिखना बंद कर देते थे। उनकी लिखने की इच्छा खत्म हो जाती थी। अब लेखकों को अपने विचार रखने के लिए एक खुला आसमान मिल गया है। जो लोग किताबों या पत्रिकाओं में लिखते हैं उन्हें रचनाओं की प्रतिक्रिया का काफी समय बाद पता चलता है जबकि सोशल मीडिया में शीघ्र जानकारी मिल जाती है । जिससे लेखक को बहुत प्रसन्नता होती है वह पहले से भी अच्छा लिखने की कोशिश करता है।

'सत्य मेव जयते' की जीत

दुनियां के बदलते हालातों पर लिखना,
सच्चाई का दर्पण सारे जमाने को दिखाना।
न्याय की लड़ाई लड़कर हर वक्त ,
अन्याय के खिलाफ हमेशा आवाज उठाना।

भले भांति यहां चल रहा है लोकतंत्र,
फिर भी जनता की आवाज यहां दबाई जाती है।
मीडिया के बिना न्याय नहीं मिलता जनता को,
उसी वक्त जनता को साथ देना ही मीडिया का काम है।

किसी भी देश के गणतंत्र में जनता को,
विचार स्वातंर्त्य और बोलने की आजादी होती है।
वही आजादी जब छीन जाएं लोकतंत्र में,
तभी स्वातंर्त्य,समता और हक के लड़ना ही मीडिया का काम है।

जब भी बिगड़ जाते हैं हालात किसी भी वतन में,
जब भी अत्याचार और हाहाकार बढ़ जाता है।
और जीना मुश्किल हो जाता है लोगों का वहां,
ऐघ्से हालातों में लोकतंत्र भी खतरे में पड़ जाता है।

प्रस्तुति
प्रा.गायकवाड
विलास.
मिलिंद क.महा.
लातूर. (महाराष्ट्र)

ये मीडिया शासक और जनता दोनों से जुड़ी हुई है,
ये मीडिया बुराईयों के खिलाफ कलमधारी हथियार है।
जहां सच्चाई के तत्त्वों पर गर चलें ये मीडिया,
वहां हमेशा के लिए सच्चाई की ही जीत होती है।

जिस वतन में दागदार नहीं होता ये मीडिया,
उस वतन में अराजकता कभी नहीं फैलती है।
देश की आजादी,उन्नति और अमन के लिए,
मानों ये मीडिया एक दहकता सुलगता सूरज है।

लोकतंत्र में ये मीडिया एक पथदर्शक है,
अंधेरे में डुबी जनता के लिए नई रोशनी है।
नीति और अनीति की चलती इस लड़ाई में,
सत्य मेव जयते की जीत ही मीडिया का कर्म है ।

प्रस्तुति
डा. सुलेखा यादव
(दिल्ली)

गोदी मीडिया

नफरत और हिन्सा की आँधी चली है,
पत्रकारीता और मिडिया के बिकने से देश में खलबली है।

पुरा देश जल रहा है,
हर तरफ आस्तिन मे सांप पल रहा है।

छात्र,किसान,लोग अपने हक के लिये लङ रहें हैं,
पर गोदी मिडिया इन्हें उजागर करने से बच रहें हैं।

लोकतंत्र देश मे सरकार से सवाल करना गुनाह हो गया, सरकार से सवाल करने वाले देशद्रोही बन गया।

लोकतंत्र का चौथा स्तम्भ मिडिया अब धह गया है,
हिन्दु –मुस्लिम का नग्गा नाच दिखा,नफरत की दीवार और उंचा बन गया है।

देश की एकता और अखंडता अब लुप्त हो रहा है,
बस लोकतंत्र और प्रजातंत्र गोदी मिडिया से विक्षिप्त हो रहा है।

खबरों को ये सन्सनी बनाते हैं,
बालात्कारी को सुरक्षा और बलात्करी पीङिता को जेल भिजवाते हैं।

डॉक्टर को भक्षक दिखाते हैं,
कभी अपने गिरेबान मे बिना झांके सच का आईना दिखाते हैं।

हीरो –हीरोइन के नीजी जीवन का अफ्लातून बनाते हैं,
किसने कितने बार सम्भोग किया,ये दिखाने को अपने नीचले स्तर तक जाते हैं।

खुद को हर रोज बेचकर,दुसरों को वेश्या बनाते हैं,
सच्ची खबरो को तोड़ –मरोड़ कर दिखाने से नहीं कतराते हैं।

जहां हो मिडिया बिका हुआ और लाचार,
वहां क्या विकास,सारा सच का क्या काम और क्या स्वन्तन्त्र समाचार।

प्रस्तुति
पदमा ओजेंद्र तिवारी
(मप्र)

सोशल मीडिया

यह यूग है क्रांति का
अटल भूतल अंतरिक्ष तक पहुंचा है।
गतिविधियों को आत्मसात कर
मन को गतिशील बनाता है।।

सामाजिक व्यवहारों का पक्षधर
सूचनाओं का प्रसारण करता है।
जनसंचार का माध्यम
दुनिया की खबरें रखता है।।

भ्रष्टाचार घोटालों का पर्दाफाश कर
सच्ची तस्वीर दिखाता है।
शासन और जनमानस का यह सेतु
कर्तव्यों पर बढ़ता जाता है।।

जनसंचार मुद्रण इलेक्ट्रॉनिक
तीन वर्गों में विभाजित है
मोबाइल इंटरनेट टीवी से
हमें जोड़ने में सहायक है।।

इंटरनेट वह जिन्न है
हुकुम की तालीम करता है।
सोशल मीडिया हम सबकी खबरें,
पत्रिका अखबारों में फैलाता है।।

मीडिया के तीनों स्तंभ
लोकतंत्र के करतार हैं।
डेन ब्रांन कहते सारा सच
मीडिया अव्यवस्था का हथियार है।।
पदमा तिवारी दमोह मध्य प्रदेश
सर्वाधिकार सुरक्षित यह रचना मौलिक और स्वरचित है।

फिल्मी दुनिया

लुप्त होकर अब तक कई कमबैक कर चुकी हैं तब्बू

Cहुत कम लोग जानते हैं कि तब्बू ने अपने कैरियर की शुरूआत सागर सरहदी की फिल्म 'बाजार' (1982) में एक बहुत छोटे, बहुत मामूली बाल किरदार के साथ की थी लेकिन तब्बू को पहचान मिली देव आनंद की फिल्म 'हम नौजवान' (1985) के साथ जिसमें उन्होंने देव साहब की बेटी का बेहद खूबसूरत किरदार निभाया था।

'पहला पहला प्यार' (1994) में तब्बू को संपूर्ण नायिका के तौर पर ऋषि कपूर के अपोजिट मेन लीड में काम करने का अवसर मिला लेकिन नायिका के तौर पर उनकी यह पहली फिल्म कुछ खास नहीं चली लेकिन उसी साल आई 'विजयपथ' (1994) और उसके अगले साल आई 'हकीकत' (1995) ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा मुनाफा बनाया।

इन दोनों ही फिल्मों में तब्बू के अपोजिट नायक का किरदार अजय देवगन ने निभाया था। उसके बाद से ही अजय देवगन के साथ तब्बू की कुछ ऐसी बांडिंग बनी जो आज भी नजर आती है। कहा तो यहां तक जाता है कि अजय देवगन के चक्कर में ही आज तक तब्बू ने शादी नहीं की। इस बात को तब्बू एक टॉक शो में स्वीकार भी कर चुकी है। 'दृश्यम 2' में तब्बू फिर एक बार अजय देवगन के साथ नजर आ सकती हैं। मोहनलाल स्टारर मलयालम फिल्म की सफलता के बाद इसके हिंदी में रीमेक पर विचार चल रहा है। इस तरह की खबरें आ रही हैं कि निर्माता कुमार मंगत ने एक बड़ी कीमत देकर इसे हिंदी में बनाने के अधिकार खरीदे हैं।

इससे पहले 'दृश्यम' के पहले भाग के अधिकार लेकर भी इसे हिंदी में बनाया जा चुका है जिसे खूब पसंद किया गया था। हिंदी में पहले भाग को निशिकांत कामत ने डायरेक्ट किया था लेकिन दूसरे भाग को लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। पहले भाग में अजय देवगन ने अपने परिवार की सुरक्षा में डट कर खड़े एक आम आदमी का किरदार निभाया था। तब्बू फिल्म में एक पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आई थी।

तब्बू को बॉलीवुड में एक खास दर्जा हासिल है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों की तरह मणिरत्नम की हिट तमिल फिल्म, 'इरूवर' में भी तब्बू की सम्मोहित करने वाले अदाकारी देखने को मिली थी। किसी फिल्म में उनके होने का सीधा अर्थ होता है कि वह फिल्म अच्छी एक्टिंग के ख्वाहिशमंदों को पूरी तरह संतुष्ट करेगी।

दर्शकों को हर वक्त तब्बू की नई फिल्म का इंतजार रहता है। एक लंबे वक्त से तब्बू ने इस इंडस्ट्री में खुद के लिए खास जगह बना रखी है।

कई बीमारियों से भी बचाता है गिलोय

आयुर्वेद में गिलोय का अमृता कहा जाता है और सदियों से इसका इस्तेमाल बुखार, सर्दी–खांसी आदि को ठीक करने के लिए किया जा रहा है। जहां तक आम लोगों के बीच गिलोय की लोकप्रियता की बात है तो कोरोना ने इसे घर–घर में पॉप्युलर बना दिया है और अब इम्यूनिटी बूस्ट करने के लिए लोग गिलोय के काढ़े से लेकर, जूस और गोलियों तक का सेवन कर रहे हैं।

आयुर्वेद के जानकारों के अनुसार, पान के पत्ते की तरह दिखने वाले गिलोय की पत्तियों में कैल्शियम, प्रोटीन, फॉस्फोरस भरपूर मात्रा में होता है। जबकि इसके तने में स्टार्च की अधिकता होती है। आयुर्वेद एक्सपर्ट्स के अनुसार, गिलोय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के साथ ही कई बीमारियों से भी बचाव करता है।

सौन्दर्य की बात

अमृता यानी गिलोय रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए जाना जाता है, तभी तो कोरोना काल में गिलोय की मांग बहुत अधिक बढ़ गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह वायरस से होने वाली बीमारियों से शरीर को बचाता है और सर्दी–जुकाम से बचाने में भी कारगर है क्योंकि इसकी तासीर बहुत गर्म होती है। बुखार में भी इसके सेवन की सलाह दी जाती है।

डेंगू होने पर ब्लड प्लेटलेट्स तेजी से कम होने लगते हैं ऐसे में आयुर्वेद विशेषज्ञ मरीजों को गिलोय के सेवन की सलाह देते हैं, क्योंकि इससे प्लेटलेट्स तेजी से बढ़ने लगते हैं। गिलोय के हरे तने को काटकर अच्छी तरह साफ करने के बाद इसे पानी में करीब आधे घंटे तक उबाला जाता है और जब पानी का रंग हरा हो जाए तो इस पानी को छानकर मरीज को दें। दरअसल, गिलोय में एंटीपायरेटिक तत्व होता है जो डेंगू के मरीजों के लिए बहुत फायदेमंद है और इससे इम्यूनिटी भी बढ़ती है जिससे मरीज जल्दी ठीक हो जाता है।

गिलोय न सिर्फ बुखार और सर्दी–खांसी, बल्कि जॉन्डिस यानी पीलिया के मरीजों के लिए भी बहुत फायदेमंद है। आयुर्वेद के जानकारों का मानना है कि गिलोय के पत्तों का रस पीने से पीलिया के मरीजों को आराम मिलया है और इसकी वजह से होने वाला बुखार और दर्द भी कम होता है।यदि आप अक्सर पेट से जुड़ी बीमारियों से परेशान रहते हैं, तो गिलोय का सेवन आपके लिए फायदेमंद हो सकता है, क्योंकि इसके नियमित सेवन से कब्ज और गैस जैसी समस्याओं से राहत मिलती है और पाचन तंत्र ठीक तरह से काम करता है।

आयुर्वेद विशेषज्ञों के मुताबिक, जिन लोगों को खून की कमी होती है उन्हें भी गिलोय का सेवन करना चाहिए, क्योंकि गिलोय में ग्लूकोसाइड और टीनोस्पोरिन, पामेरिन और टीनोस्पोरिक एसिड की मात्रा अधिक होती है जो शरीर में खून की कमी दूर करने में मददगार है।

दार्जिलिंग की बेहद खूबसूरत सैरगाह है मिरिक

पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले की छोटी–सी सैरगाह मिरिक समुद्रतल से पांच हजार फुट की ऊंचाई पर स्थित है। सीढ़ीदार चाय बागानों का मनोहारी दृश्य, खुशबुदार गदराए संतरों के बगीचे, झील का शांत जल, लंबे घने पेड़ों से छन कर आती हवा के झोंके किसी भी पर्यटक को प्रकृति से रूबरू होने का समुचित अवसर प्रदान करते हैं। दार्जिलिंग आए पर्यटकों को इस स्थान की सैर अवश्य करनी चाहिए।

मिरिक लेक. यह एक प्राकृतिक झील है। इस पर बना पुल इंजीनियरी दक्षता का सुंदर नमूना है। सवा किलोमीटर लंबी इस झील की छटा चांदनी रात में देखते ही बनती है। इस झील की गहराई 3 फुट से 27 फुट तक है। झील में नौका विहार की सुविधा है और मछली पकड़ने की भी। मिरिक झील की सुंदरसलोनी मछलियों को देख कर सैलानी दंग रह जाते हैं। प्रातः दस बजे से सायं चार बजे के बीच कभी भी नौका विहार का आनंद उठाया जा सकता है। मिरिक लेक के किनारे ही गगनचुंबी वृक्षों की भरमार है। इनकी शोभा मन को मोह लेती है। इन घने वृक्षों के बीच से ऊपर पहाड़ की ओर जाने के लिए कई रास्ते भी बने हुए हैं। मिरिक लेक के पास ही पुल के दूसरी ओर ऊंचाई पर लगभग 10 मिनट चढ़ने के बाद छह. सात छोटे.छोटे मंदिरों का समूह दिखता है। यह स्थान देवी स्थान के नाम से जाना जाता है। चारों ओर घने वृक्षों से घिरे होने के कारण इसका सौंदर्य और भी बढ़ जाता है। चाय बागान. मिरिक क्षेत्र में कई चाय बागान भी हैं। यहां से सबसे निकटस्थ चाय बागान और सबसे ज्यादा नामी चाय बागान है. थर्बो चाय बागान।

रामीटेदारा– यह मिरिक का एक महत्वपूर्ण व्यू पाइंट है। यहां बड़े तड़के से लोग सूर्योदय देखने हेतु जमा होने लगते हैं। यहां से सूर्यास्त देखने का भी अपना एक अलग मजा है। रामीटेदारा से आप पहाड़ी एवं मैदानी क्षेत्रों के हसीन एवं दिलकश नजारों का अवलोकन कर सकते हैं। रामीटेदारा तक आप पैदल भी पहुंच सकते हैं, हालांकि झील के पास से यहां तक पहुंचने के लिए वाहन की भी व्यवस्था है।

संतरा बागान– सिलीगुड़ी से मिरिक जाते समय संतरे के कुछेक पेड़ रास्ते में जहां–तहां देखने को मिल जाते हैं। लेकिन संतरे के बागान मिरिक से चार किलोमीटर दूर हैं। मिरिक क्षेत्र में बड़े व्यापक पैमाने पर संतरे की खेती की जाती है। वहां के गांवों के तमाम लोगों के जीविकोपार्जन का मुख्य स्रोत संतरा व्यावसाय है। संतरा बागान के कर्मचारी एवं स्थानीय ग्रामीण अपने यहां पहुंचने वाले पर्यटकों की खूब आवाभगत करते हैं।ऊपर बताए गए स्थलों के अलावा आप देवसीदारा व्यू पाइंट, राइढ़प पिकनिक स्थल, मिरिक मोनेस्ट्री आदि भी देखने जा सकते हैं। मिरिक में मिरिक लेक के पास एक खूबसूरत हराभरा समतल मैदान भी दर्शनीय है।

सारा सच हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र प्राप्त करने के लिए

Subscription From / सदस्यता हेतु फार्म

नाम : .....

पता : .....

शहर : .....पिन : .....

फोन : ..... मोबाइल :.....

ईमेलः .....

समयावधि : एक वर्षः 100/–.....तीन वर्ष : 300/– .....

पांच वर्ष : 500/–.....आजीवन : 3000/– .....

भुगतान : नकद .....डीडी/चैक.....

नोट : वर्ष एक/तीन/पांच की सदस्यता के लिए डीडी/चैक पर 50/–अतिरिक्त बैंक चार्ज जोड़कर देना होगा।

फार्म साफ साफ भरकर सारा सच अपडेट के नाम डीडी/चैक के फार्म के साथ निम्न पते पर भेजे या कैश आफिस में जमा कराएं, फार्म आप www.sarasach.com/join-us/ से कापी कर सकते हैं।

पता : 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, नियर ज्ञान कुंज कालोनी, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92

ई–मेल & sarasach786@gmail.com, info@sarasach.com

मोबाइल : 9990007067

पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर
कांग्रेस ने खोला मोदी व केजरीवाल सरकार के खिलाफ मोर्चा

नई दिल्ली । भाजपा के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार की शह पर बेलगाम तेल कम्पनियों द्वारा पिछले दो महीनों में 36 बार पेट्रोल–डीजल की दरों में की गई अप्रत्याशित बढ़ोत्तरी के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौ.अनिल कुमार के नेतृत्व में दिल्ली के सभी पेट्रोल पम्पों पर जबर्दस्त हस्ताक्षर अभियान चलाया । इस दौरान उन्होंने दिल्ली की केजरीवाल सरकार पर भी जम कर हमला बोला। ज्ञात रहे पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि में केन्द्र सरकार द्वारा लगाई गई एक्साईज ड्यूटी और दिल्ली सरकार द्वारा लगाया गया वैट भी बड़ा अहम कारण है।

चौ. अनिल कुमार ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों के खिलाफ दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल से प्रश्न किया कि लगातार बढ़ती पेट्रोल डीजल की कीमतों को कम करने के लिए उनकी सरकार ने क्या कदम उठाये । दिल्ली वालों के हित में उन्होंने अभी तक मोदी सरकार पर दाम करने का दवाब क्यों नहीं डाला। उन्होंने यह भी कहा कि जब केजरीवाल तेल का खेल जानते है कि पेट्रोल–डीजल की कीमतों के बाद मंहगाई तुरंत बढ़ती है तो वे केन्द्र सरकार को तेल कम्पनियों पर पेट्रोलियम पदार्थों की दरों को नियंत्रित करने की सलाह क्यों नहीं देते ।

भजनपुरा में पेट्रोल पम्प पर पूर्व विधायक भीष्म शर्मा व पूर्व पार्षद रोहताश कुमार के नेतृत्व में हस्ताक्षर अभियान चलाने के साथ साथ विरोध प्रदर्शन करते कांग्रेस कार्यकर्ता

दिल्ली के सभी पेट्रोल पम्पों पर चलाये गये हस्ताक्षर अभियान को सफल बनाने हेतू प्रदेश अध्यक्ष चौ.अनिल कुमान के अलावा पूर्व सांसद अध्यक्ष जय प्रकाश अग्रवाल, रमेश कुमार, कृष्णा तीरथ, प्रदेश उपाध्यक्ष जय किशन, अभिषेक दत्त, मुदित अग्रवाल, अली मेंहदी, प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष अमृता धवन, उत्तरी निगम में कांग्रेस के नेता मुकेश गोयल, पूर्व विधायक देवेन्द्र यादव, चौ. मतीन अहमद, विपिन शर्मा, हरी शंकर गुप्ता, अनिल भारद्वाज, कुंवर करण सिंह, राजेश जैन, सुरेन्द्र कुमार, अमरीश गौतम, भीष्म शर्मा, वीर सिंह धींगान, दर्शना रामकुमार, जिला अध्यक्ष मौहम्मद उस्मान, विरेन्द्र कसाना, हरी किशन जिंदल, दिनेश कुमार, राजेश चौहान, विष्णु अग्रवाल, कैलाश जैन , निगम पार्षद कु० रिंकू , जुबेर अहमद , पूर्व पार्षद भाई रोहताश , पूर्व निगम प्रत्याशी राजीव शर्मा सहित हजारो प्रमुख कार्यकर्ता व नेता सडक पर उतरे।

दिल्ली पुलिस की पहल
बुजुर्ग महिलाओं का ध्यान रखेंगी महिला कांस्टेबल

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में पुलिस ने एक अनोखी पहल की शुरुआत की है। उत्तर पश्चिम जिले के सभी थाना इलाके में महिला कांस्टेबल बुजुर्ग महिलाओं का ध्यान रखेंगी। इसके लिए थाना स्तर पर व्हाट्स एप ग्रुप भी बनाया गया है जिसमें सभी बुजुर्ग महिलाओं को जोड़ा गया है।

डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि बुजुर्ग महिलाओं की सुरक्षा के लिए यह पहल की गई है। इसकी शुरुआत मंगलवार से कर दी गई है। इसमें महिला कांस्टेबल ने अपने इलाके में रहने वाली बुजुर्ग महिलाओं से मुलाकात की। उन्हें खुद की सुरक्षा से जुड़ी पुलिस की सभी योजनाओं और एप के विषय में जानकारी दी। साथ ही खुद की सुरक्षा के लिए सतर्कता बरतने के लिए प्रेरित किया। इसके साथ ही इन महिलाओं की परेशानी सुनकर तुरंत समाधान भी किया गया।

डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि इस कदम के पीछे मुख्य उद्देश्य यह है कि बुजुर्ग महिलाओं को अपनी समस्याएं बताने में आसानी रहे। इसके लिए सुबह से शाम तक महिला कांस्टेबल को संबंधित बीट में तैनात किया गया है। महिला कांस्टेबल को ग्रुप एडमिन बनाकर व्हाट्स एप ग्रुप भी बनाया गया है जिसमें बुजुर्ग महिलाओं को जोड़ा गया है। इसमें प्रत्येक दिन सभी बुजुर्ग महिलाओं से अपनी सेल्फी पोस्ट करने, अपनी समस्याएं बताने को प्रेरित किया गया है।

वहीं, बुजुर्ग महिलाओं से उनकी सलाह भी ली जा रही है ताकि इस व्यवस्था को और भी दुरुस्त किया जा सके। डीसीपी उषा रंगनानी ने बताया कि जिले में पहले से ही वरिष्ठ नागरिकों के लिए इकाई है। लेकिन यह पहल सिर्फ बुजुर्ग महिलाओं पर केंद्रीत किया गया है। फिलहाल 46 महिला कांस्टेबल को इसके लिए तैनात किया गया है।

हरियाणा में पानी रोकने से दिल्ली में पेयजल संकट गहराया: राघव चड्ढा

नई दिल्ली । दिल्ली में गहराते जल संकट के सन्दर्भ में दिल्ली जल बोर्ड के उपाध्यक्ष राघव चड्ढा ने कहा है कि हरियाणा सरकार ने दिल्ली की जरूरत के लिए यमुना नदी में छोड़े जाने वाले पानी को रोका जिसकी वजह से राजधानी में पेयजल का उत्पादन घटा और जल संकट गहराया ।

हालत यह है कि चंद्रावल वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी का उत्पादन 90 एमजीडी से घटकर 55, वजीराबाद में 135 से घटकर 80 और ओखला में 20 से घटकर 15 एमजीडी हो गया है। राघव चड्ढा ने बताया कि अपर यमुना रिवर बोर्ड ने हरियाणा को कानून के तहत दिल्ली वालों के हक का पानी देने के अलावा 150 क्यूसेक अतिरिक्त पानी देने का निर्देश दिया लेकिन गर्मी के इस मौसम में भी हरियाणा ने न तो दिल्ली को उसके हक का पानी दिया और ना ही 150 क्यूसेक अतिरिक्त पानी दिया, जिसके चलते दिल्ली में 100 एमजीडी से ज्यादा पानी का उत्पादन घटा ।

राघव चड्ढा ने यह भी बताया कि दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों और मैंने स्वयं हरियाणा सरकार के नेताओं और अधिकारियों को कई चिट्ठियां लिख कर पानी छोड़ने की सिफारिश की, लेकिन हमारी एक न सुनी गई।

हमारी हरियाणा के मुख्यमंत्री जी से कर बद्ध प्रार्थना है दिल्ली की आवश्यकता अनुरूप अविलम्ब यमुना नदी में पानी छोड़ा जाए ।

रोशनआरा रोड से शुरू होगी पीएम वाणी योजना

नई दिल्ली। उत्तरी निगम में प्रधानमंत्री एक्सेस नेटवर्क इंटरफेस (पीएम वाणी) योजना का शुभारंभ रोशनआरा रोड स्थित जिंदल कार्नर से किया जाएगा। इस योजना के तहत प्रत्येक वार्ड में 20–20 वाई फाई हॉट स्पॉट लगाए गए हैं।

उत्तरी निगम के पूर्व महापौर जयप्रकाश ने कहा कि पीएम वाणी योजना के तहत गरीब लोगों को सस्ता और तेज गति वाले इंटरनेट की सुविधा मिलेगी। इससे लोगों को रोजगार भी मिलेगा। जिन कच्ची कॉलोनियों, झुग्गी बस्तियों और गांव देहात के क्षेत्रों में जहां पहले इंटरनेट की सुविधा नहीं थी वहां अब पीएम वाणी योजना के तहत वाई–फाई सुविधा नागरिकों को दी जाएगी। इन क्षेत्रों में रहने वाले बच्चे इसकी मदद से स्कूली शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी बेहतर ढंग से कर सकेंगे।

छात्रों से अवैध वसूली बंद हो : एनएसयूआई

नई दिल्ली। एनएसयूआई ने कहा कि कोरोना के कारण तमाम शैक्षणिक गतिविधियां ऑनलाइन चल रही है। ऐसे में विश्वविद्यालय छात्रों से जो फीस ले रहे हैं वह अनुचित है। हम डीयू सहित अन्य विश्वविद्यालयों से मांग करते हैं कि छात्रों को फीस का वह हिस्सा वापस किया जाए जिसका वह उपयोग नहीं कर रहे हैं।

एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रदेश प्रभारी नितिश गोड ने प्रेसवार्ता में कहा कि कोरोना काल में छात्रों से फीस लेना उनके ऊपर आर्थिक शोषण है। सरकार छात्रों को मुफ्त बिजली और पानी तो दे रही है पर मुफ्त शिक्षा नही दे पा रही है, जबकि शिक्षा हमारा मौलिक अधिकार है। हम विश्वविद्यालय प्रशासन से अनुरोध करते है कि छात्रों की फीस की अवैध वसूली बंद करके सिर्फ ट्यूशन फीस और परीक्षा फीस ली जाए।

वहीं, एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष कुनाल सहरावत का कहना है कि कोरोना के कारण अर्थव्यवस्था चौपट हो चुकी है। लोगों के पास गुजर–बसर करने के साधन नही है। ऐसे माहौल में भी तमाम विश्वविद्यालय छात्रों से मनमानी फीस वसूल रहे है। डीयू जैसे शैक्षणिक संस्थान छात्रों से ट्यूशन फीस के साथ–साथ लाइब्रेरी शुल्क, लैब शुल्क, इलेक्ट्रिसिटी शुल्क, आईडी कार्ड, स्पोर्ट्स फीस समेत अन्य शुल्क वसूल रहे है। इससे छात्रों के परिवार के ऊपर अत्यधिक बोझ बढ़ रहा है, बहुत सारे छात्र पढ़ाई छोड़ने के लिए मजबूर हैं।

Kumar Associates
Soliciter & Advisor (Legal)
Delhi District Court & High court
Karanjeet Kumar (Advocate)
H.O. : 133-A Krishan Kunj Extn.
Laxmi Nagar, Delhi-110092
Mob :9999839708, 8527362212

Vinod Kumar 9899317267
Varun Kumar 9212738941 9999963395
VARUN
Canvas-Company
Wholesaler of :
All Kinds of Blankets, Cotton Cloth.
Spl. in : Blankets, Plastic Tirpal, Plastic Tubes, Cotton Cloths, Tents, Car-Scooter Cover
12-A, Azad Market, Near Pul Mithai, Delhi-6
E-mail: varuncanvasco@yahoo.co.in

IPCS
Indian Pest Control Services
PRE & POST CONSTRUCTION ANTI-TERMITE TREATMENT
Dr. P. K. Sahani
(Entomologist)
WZ-250 C, NEAR MTNL EXCHANGE
OPP. PUSA INSTITUTE INDER PURI.
NEW DELHI-110012
PH. 64522051 M. 9810437316
E-mail: pks0573@rediffmail.com
ipcs.7340@rediffmail.com

Mob:- 9868995845, 9811053175
Umesh Kr. Jha
Chairman
VARKS
VARKS INFRA BUILDTECH (P.) LTD.
Developers, Builders & Collaborator
Regd. Office 113-A Krishan Kunj Ext. Part-I, Laxmi Nagar, Delhi-110092

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक व संपादक **सलीम अहमद** द्वारा आला प्रिंटिंग प्रैस, 3636, कटरा दीना बेग, लाल कुआँ, दिल्ली–110006 से मुद्रित व 12/596, गली नंबर–2, वेस्ट गुरू अंगद नगर, लक्ष्मी नगर, दिल्ली–92 से प्रकाशित। संपादक : **सलीम अहमद**. सारा सच साप्ताहिक समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों व समाचारों की सहमति आवश्यक नहीं। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र दिल्ली होगा।